

हो 4. जो सुर में हो या स्वरों के ठीक आरोह अवरोह वाला।

सुरुक्म वि. (तत्.) अच्छी तरह प्रकाशित या प्रदीप्त।

सुरुख वि. (तत्.+फा.) 1. चेष्टाओं से अनुकूल या प्रसन्न होने वाला उदा. 'सुरुख जानकी जानि कपिकहे सकल संकेत' -तुलसी (रामाज प्रश्नावली- 5/3/1) 2. अनुकूल रहने वाला या प्रसन्न रहकर कृपा करने वाला।

सुरुखुरु वि. (तत्.) जिसे किसी काम में यश मिला हो, यशस्वी।

सुरुचि स्त्री. (तत्.) 1. राजा उत्तानपाद की दूसरी रानी जो उत्तम की माता और भक्त ध्रुव की सौतली माता थी 2. परिष्कृत रुचि, उत्तम रुचि या श्रेष्ठ रुचि।

सुरुचिर वि. (तत्.) 1. जो मन को रुचता हो या बहुत रुचिकर लगता हो 2. सुंदर 3. उज्ज्वल, प्रकाशमान, चमकीला।

सुरुज पुं. (तद्.) दे. सूर्य।

सुरुजमुखी पुं. (तत्.) दे. सूर्यमुखी।

सुरुतसंहिता स्त्री. (तत्.) सुश्रुतरचित प्रसिद्ध आयुर्वेद का ग्रंथ।

सुरुति स्त्री. (तद्.) दे. श्रुति।

सुरुद्रि स्त्री. (तत्.) सतलुज नदी का एक नाम।

सुरुल पुं. (देश.) मूँगफली के पौधे का एक रोग, इस रोग में कीड़े मूँगफली को खाते हैं जिससे उसके पत्ते और डंठल टेढ़े हो जाते हैं, इससे मूँगफली के पौधे को बहुत हानि पहुँचती है।

सुरुवा पुं. (तत्.) लकड़ी की बनी हुई एक प्रकार की छोटी करछी जिससे हवनादि में घी की आहुति देते हैं 2. सलाई का पेड़ 3. मरोड़ फली।

सुरुंग स्त्री. (तत्.) दे. सुरंग।

सुरुच वि. (तत्.) 1. उज्ज्वल प्रकाश, अच्छी रोशनी 2. वि. सुंदर प्रकाश वाला।

सुरूप पुं. (तत्.) सुंदर रूप, सौंदर्य वि. सुंदर या आकर्षक रूप वाला, रूपवान विलो. कुरूप।

सुरूपक वि. (तद्.) दे. स्वरूप।

सुरूपता स्त्री. (तत्.) सुंदरता, सौंदर्य विलो. कुरूपता।

सुरूपा वि. (तत्.) सुंदर रूप वाली जैसे- सुरूपा बालिकाएँ विलो. कुरूपा।

सुरूर पुं. (अर.) 1. हल्का नशा 2. हर्ष, आनंद, सुख 3. मुहा. सुरूर आना- हल्का नशा होना, आँखों में नशे की लाली आना।

सुरूहक पुं. (तत्.) खच्चर, गर्दभाश्व।

सुरेंद्र पुं. (तत्.) 1. सुर या देव राज इंद्र 2. लोकपाल, राजा 3. विष्णु इंद्र के समान महान, तेजस्वी राजा काव्य. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः यगण, मगण, 2 नगण और गुरु (य म न न ग) के योग से 13 वर्ण होते हैं तथा पाँच-आठ पर प्रायः यति होती हो।

सुरेंद्रकंद/सुरेंद्रक पुं. (तत्.) 1. कटु शूरण 2. काटने वाला जमीकंद 3. जंगली ओला।

सुरेंद्रगोप पुं. (तत्.) बीरबहूटी, इंद्रगोप नामक कीड़ा।

सुरेंद्रचाप पुं. (तत्.) इंद्रधनुष।

सुरेंद्रजित पुं. (तत्.) 1. इंद्र को जीतने वाला 2. गरुड़।

सुरेंद्र पूज्य पुं. (तत्.) 1. इंद्र द्वारा पूजे जाने वाला 2. गुरु बृहस्पति।

सुरेंद्रलोक पुं. (तत्.) 1. इंद्रलोक 2. स्वर्ग लोक।

सुरेंद्रवज्रा स्त्री. (तत्.) 1. इंद्राणी 2. एक वर्णवृत्त का नाम जिसमें दो तगण, एक जगण और दो गुरु होते हैं, इंद्रवज्रा का दूसरा नाम।

सुरेंद्रवती स्त्री. (तत्.) इंद्र की पत्नी शची, इंद्राणी।

सुरेख वि. (तत्.) 1. जो सुंदर रेखांकित हो/सुंदर ढंग से रेखांकित किया गया हो 2. सुंदर रेखांकन करने वाला।

सुरेखा स्त्री. (तत्.) 1. सुंदर आकर्षक ऐरता 2. हाथ पाँव में होने वाली रेखाएँ जिनका रहना शुभ माना जाता है।

सुरेज्य पुं. (तत्.) गुरु बृहस्पति।

सुरेज्या स्त्री. (तत्.) 1. तुलसी 2. ब्राह्मी।